Economic importance of tourism industry in Rajasthan

राजस्थान में पर्यटन उद्योग का आर्थिक महत्व

Kushal Kumar Bhoi

कुशल कुमार भोई

सहायक आचार्य अर्थशास्त्र राज नोबल्स डिग्री कॉलेज डूंगरपुर (राज.)

प्रस्तावना राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से काफी समृद्ध राज्य है राजस्थान में प्राकृतिक सौंदर्य , सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विविधता और विलक्षणता , मंदिरो और महलों की अद्भुत शिल्पकला और सौंदर्यता , लोक कलाएं और त्यौहार और मेलो के कारण यह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है पर्यटन ने राज्य के आर्थिक विकास और वृद्धि में काफी योगदान दिया है पर्यटन से रोजगार में वृद्धि, राजस्व में वृद्धि , व्यापार और उद्योगों का विकास , विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। पर्यटन ने राज्य की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूत किया है पर्यटन ने राज्य को देश और विश्व में अलग पहचान दी है राज्य के लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक कलाएं, शाही रेलगाड़ी , धार्मिक उत्सव , उत्कृष्ट हस्तकला और परंपराओं ने अपनी अलग पहचान स्थापित की है जिसके कारण पर्यटक राज्य में वर्ष भर आते रहते है राजस्थान के पर्यटन विभाग का लोगो पधारो म्हारे देशपर्यटकों को काफी आकर्षित करता है

राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर उदयपुर इत्यादि पर्यटन स्थलों के रूप में काफी विख्यात है जयपुर का सिटी पैलेस, जंतर मंतर, हवा महल, सेंट्रल म्यूजियम , राम बाग पैलेस काफी प्रसिद्ध है जोधपुर में फूल महल, मान महल, मोती महल अपनी अनूठी कलाकारी के लिए प्रसिद्ध है तो तो अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह धार्मिक स्थल के रूप में विश्व में अपनी पहचान बनाए हुए है उदयपुर झीलो की नगरी के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है जहा उदयपुर में सहेलियों की बाड़ी , प्रताप स्मारक , फतेह सागर, जनाना महल, मानक महल,मोती महल, भीम विलास,पर्यटक स्थल है इसी तरह राज्य में मनाये जाने वाले विभिन्न त्योहार और उत्सव , आयोजित किए जाने मेले ,गीत , संगीत , नृत्य , कला कृतियां , चित्र कलाएं और लोक कथाएं पर्यटकों को आकर्षित करती है इसी तरह प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल के रूप में ब्रह्मा मंदिर और तीर्थराज पुष्कर श्रीनाथ जी , जगदीश मंदिर , बेणेश्वर धाम , रामदेवरा , एकलिंगजी , सांवरियाजी , केसरियाजी , रणकपुर जैन मंदिर , खाटूश्यामजी , सालासर धाम करनी माता मंदिर और सुंधा माता मंदिर इत्यादि है जहा वर्ष भर पर्यटकों की आवाजाही लगी रहती है इस तरह राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से काफी संपन्न राज्य है

राजस्थान में फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट करने और राजस्थानी फिल्मों की शूटिंग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य 18 अप्रैल 2022 को राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2022 राज्य में लागू की जा चौकी है

पर्यटन को बढ़ावा देने और निवेश एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 30 नवंबर 2022 को ग्रामीण पर्यटन योजना 2022 को लागू किया जा चुका है

राजस्थान पर्यटन नीति 2020, 9 सितंबर 2020 को लागू हुई है जो पांच वर्ष तक अथवा नई नीति के आने तक लागू रहेगी। इस नीति के मुख्य उद्देश में घरेलू और विदेशी पर्यटकों को बढ़ावा देना , विभिन्न टूरिज्म सेक्टर विकसित करना , पर्यटन में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना और पर्यटन में निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

पर्यटन का आर्थिक महत्व

राज्य में पर्यटन स्थलों का काफी आर्थिक महत्व दृष्टिगोचर होता है। जिन्हे निम्न बिंदुओं की सहायता से व्याख्या की जा सकती है

पर्यटकों का आगमन पर्यटकों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जहा वर्ष 2018 में कुल 519. लाख पर्यटकों का राज्य में आगमन हुआ था जिसमे 502.23 लाख स्वदेशी पर्यटक और 17.54 लाख विदेशी पर्यटक थे उसी तरह वर्ष 2019 में कुल 538.26 लाख पर्यटकों का राज्य में आगमन हुआ था जिसमे 522.20 लाख स्वदेशी पर्यटक और 16.06 विदेशी पर्यटक थे।

विदेशी मुद्रा की प्राप्ति वर्ष 2015 में भारत ने विदेशी पर्यटन व्यवसाय से कुल 21.07 बिलियन डॉलर अर्जित किए (India Tourism Statistics 2015) राजस्थान का देश में आने वाले समस्त विदेशी पर्यटकों में 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा है इससे भारत की पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय में से राजस्थान की भागीदारी का अनुमान लगाया जा सकता है

राज्य सकल घरेलू उत्पाद (SGDP) में योगदान वर्ष 2013 में पर्यटन क्षेत्र का राज्य सकल घरेलू उत्पाद में 13.68 प्रतिशत हिस्सा था जो काफी महत्वपूर्ण है

रोजगार में योगदान राजस्थान पर्यटन की दृष्टि भारत के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है अपुष्ट सर्वेक्षणों के अनुसार वर्ष 2015 16 में पर्यटन से राज्य में 5.18 प्रतिशत प्रत्यक्ष रोजगार और 11.2 प्रतिशत कुल रोजगार प्राप्त है वर्तमान में देश में आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान में आता है ऐसा अनुमान है की प्रत्येक 8 विदेशी पर्यटकों पर राज्य में एक व्यक्ति को रोजगार मिलता है और प्रत्येक 32 विदेशी पर्यटकों पर राज्य में एक व्यक्ति को रोजगार प्राप्त होता है राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र में अपना निवेश बढ़ाकर और निजी क्षेत्र को पर्यटन में निवेश को प्रोत्साहित करके इस क्षेत्र में और अधिक रोजगार को बढ़ाया जा सकता है

आधारभूत ढांचे के निर्माण में योगदान पर्यटन व्यवसाय के सफल संचालन हेतु अच्छी परिवहन व्यवस्था (सड़क , रेल , हवाई) के पर्याप्त विकास की आवश्यकता होती है राजस्थान पर्यटन निगम और रेल विभाग के सयुक्त प्रयासों के द्वारा पैलेस ऑन व्हील्स और रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स नामक शाही रेलगाड़ियां चलाई जा रही है

राज्य के तीन प्रमुख शहर जयपुर जोधपुर और उदयपुर हवाई सेवाओं से जुड़े है जयपुर को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया गया है नई उड़ान स्कीम के तहत जैसलमेर , बीकानेर , कोटा को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा गया है

हस्तशिल्प विकास में योगदान हस्तशिल्प राजस्थान की अर्थव्यवस्था का एक महत्पूर्ण अंग है असंघटित क्षेत्र में यह रोजगार का महत्वपूर्ण स्रोत है राजस्थान में आने वाले देशी विदेशी पर्यटक राजस्थान की हस्तकलाओ से बहुत प्रभावित होते है और प्रायः यहा की हस्तशिल्प वस्तुओ जैसे लकड़ी पर कारीगरी का समान और खिलौने, सजाने की वस्तुएं, रंगाई छपाई व बंधेज का कपड़ा , लाख का समान , हस्त निर्मित कागज का समान , चांदी और पीतल पर कारीगरी की वस्तुएं, पुरानी कलात्मक वस्तुएं इत्यादि खरीदने में रुचि रखते है ऐसी वस्तुओ की बिक्री से न केवल कलाकारों को रोजगार मिलता है बल्कि पुरानी हस्तकलाओं का सरक्षण और विकाश होता है

पर्यटन क्षेत्र की समस्याएं और सुझाव

पर्यटकों की सुरक्षा पर्यटन क्षेत्र के महत्पूर्ण सवालों में सबसे महत्पूर्ण सवाल पर्यटकों की सुरक्षा का है पर्यटकों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने महत्पूर्ण कदम उठाए है। राजस्थान पहला ऐसा राज्य है जिसमे पर्यटन पुलिस तैनात की गई है जुलाई 2013 में राज्य सरकार ने तीन महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल जयपुर , जोधपुर और उदयपुर में पर्यटन को समर्पित तीन पुलिस थानों पर्यटन थाने स्थापित किए गए है

पर्यटन क्षेत्र में निवेश की समस्या राज्य सरकार अपने सीमित साधनों के कारण अधिक खर्च करने में संभवतः समर्थ नहीं है लेकिन निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जा सकता है इस क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन के लिए रिसर्जेंट राजस्थान 2015 के आयोजन के दौरान बहुत बड़े निजी निवेश के एम. ओ. यू. हस्ताक्षर किए गए है इसमें कुल 221 एम. ओ. यू. हस्ताक्षरित किए गए है जिससे 10442 करोड़ का निवेश और लगभग 40905 व्यक्तियों का रोजगार प्रस्तावित है

स्वास्थ्य , एंडवेंचर और पर्यावरण का विकास स्वास्थ्य , एडवेंचर और पर्यावरण पर्यटन उभरते हुए क्षेत्र है जिस राजस्थान में बढ़ावा दिया जा सकता है जयपुर शहर में उच्च स्तर की निजी और सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं विकसित हो रही है ये सेवाएं विश्व स्तर से अपेक्षाकृत सस्ती है अतः विदेशी पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र हो सकती है राज्य में पर्यावरण और एंडवेंचर टूरिज्म की प्रयाप्त सुविधाएं और ढांचा तैयार किया जाना चाहिए।

स्वच्छता की समस्या स्वच्छता और साफ सफाई पर्यटकों को आकर्षित करने की खास वजह है लेकिन राज्य में कई पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाता है। पर्यटन स्थलों के अलावा होटलों , पर्यटन गृहों में भी सफाई की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

पर्यटन स्थलों का रख रखाव राजस्थान में कई पुरानी इमारतों , हवेलियों , बावड़ियों , छतरियों, महल , थडे , किले इत्यादि पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व के है। पर्यटकों के लिए ऐसे स्थल बहुत बड़े आकर्षण का केंद्र होते है। राज्य सरकार को जहा तक संभव हो अपने स्तर पर अथवा केंद्र स्तर पर साधन जुटाने का प्रयास करना चाहिए ताकि

इन भव्य प्राचीन इमारतों का सरक्षण हो सके। यूनेस्को , भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा इन धरोहरों के सरक्षण और परिवर्धन द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे है।

हवाई सेवाओं की सीमितता राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है जिससे पर्यटन बस्तियों के बीच अधिक दूरियां होती है पर्यटक का लक्ष्य कम से कम समय में अधिक से अधिक स्थानों का भ्रमण करना होता है। अतः राज्य में परिवहन के साधनों , विशेषकर हवाई परिवहन की सेवाओं का विस्तार अत्यन्न आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2022 23

राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2014 15